

भारत सरकार  
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय  
पशुपालन और डेयरी विभाग  
लोकसभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या- 2893  
दिनांक 18 मार्च, 2025 के लिए प्रश्न

गोजातीय नस्ल

**2893. श्री नारायण तातू राणे:**

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) देश में दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए गए हैं;  
(ख) क्या ब्राजील सरकार द्वारा भारतीय नस्ल 'गिरगाय' के दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए कृत्रिम गर्भाधान और अन्य तकनीकों की सहायता ली गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और  
(ग) क्या इस मॉडल की तर्ज पर उक्त तकनीक को गोजातीय नस्ल पर भी लागू किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है?

**उत्तर**  
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री  
(प्रो. एस. पी. सिंह बघेल)

(क) और (ग) दूध उत्पादन बढ़ाने में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को अनुपूरित और संपूरित करने के लिए भारत सरकार राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू कर रही है। यह पहल देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी के आनुवंशिक उन्नयन तथा दूध उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत, भारत सरकार दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए देशी बोवाइन नस्लों के आनुवंशिक उन्नयन हेतु निम्नलिखित तकनीकें क्रियान्वित कर रही हैं:

- (i) **राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना और देशी बोवाइन नस्लों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों के सीमन का उपयोग करके किसानों के दरवाजे पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान (एआई) सेवाएं प्रदान करना है।

**सेक्स-सॉर्टिंग सीमन का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य 90% तक की सटीकता के साथ बछड़ियों का उत्पादन करना है, जिससे नस्ल सुधार को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की आय में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम के तहत देशी नस्लों के सेक्स-सॉर्टिंग सीमन के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है।

**देशी रूप से विकसित सेक्स-सॉर्टिंग सीमन उत्पादन तकनीक का शुभारंभ:** भारत में पहली बार, राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत स्थापित सुविधाओं ने देशी गोपशु नस्लों के सेक्स-सॉर्टिंग सीमन का सफलतापूर्वक उत्पादन किया है। ये सुविधाएं गुजरात, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश में पांच सरकारी सीमन स्टेशनों पर स्थापित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, तीन निजी सीमन स्टेशन भी सेक्स-सॉर्टिंग सीमन खुराक के उत्पादन में योगदान दे रहे हैं। देशी रूप से विकसित सेक्स-सॉर्टिंग सीमन उत्पादन तकनीक के शुभारंभ ने सेक्स-सॉर्टिंग सीमन की लागत को 800 रुपए से घटाकर 250 रुपए प्रति खुराक कर दिया है। यह सफलता किसानों के लिए सेक्स-सॉर्टिंग सीमन को अधिक किफायती बनाती है और देशी मादा गोपशुओं की आबादी को बढ़ावा देती है। अब तक, देशी नस्लों सहित उच्च आनुवंशिक-गुणता वाले सांडों का उपयोग करके 1.17 करोड़ सेक्स-सॉर्टिंग सीमन खुराकों का उत्पादन किया गया है।

**आईवीएफ तकनीक का उपयोग करके त्वरित नस्ल सुधार कार्यक्रम:** भारत में पहली बार देशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए बोवाइन आईवीएफ तकनीक को बढ़ावा दिया गया है। विभाग ने देश भर में देशी नस्लों को बढ़ावा देने के लिए 22 आईवीएफ प्रयोगशालाएँ स्थापित की हैं। इस कार्यक्रम के तहत देशी नस्लों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को प्रत्येक सुनिश्चित गर्भावस्था पर 5,000 रुपए का प्रोत्साहन दिया जाता है।

**देशी कल्चर मीडिया की शुरुआत:** देश में आईवीएफ तकनीक को और बढ़ावा देने के लिए इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) हेतु एक देशी मीडिया की शुरुआत की गई है। यह देशी कल्चर मीडिया महंगे आयातित मीडिया का एक किफायती विकल्प प्रदान करता है, जिससे आईवीएफ तकनीक अधिक सुलभ हो जाती है।

**ग्रामीण भारत में बहुउद्देश्यीय कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन (मैत्री):** मैत्री को किसानों के दरवाजे पर गुणवत्तापूर्ण कृत्रिम गर्भाधान सेवाएँ देने के लिए प्रशिक्षित और सुसज्जित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियनों और पेशेवरों के पुनर्शर्या प्रशिक्षण के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को सहायता प्रदान की जाती है।

(ii) **सीमन केन्द्रों को सुदृढ़ बनाना:** राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत, सीमन केन्द्रों को सुदृढ़ बनाने से उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों की संख्या बढ़कर 1,845 (वर्ष 2023-24) हो गई है, जिससे देशी नस्ल के सीमन की 29 मिलियन खुराकें तैयार होंगी। देश भर में देशी नस्ल के सीमन से कृत्रिम गर्भाधान को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

(iii) संतति परीक्षण और नस्ल चयन कार्यक्रम: इस कार्यक्रम का उद्देश्य देशी नस्लों के सांडों सहित उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों का उत्पादन करना है। गोपशु की गिर, साहीवाल नस्लों और भैंस की मुर्राह, मेहसाणा नस्लों के लिए संतति परीक्षण कार्यान्वित किया जाता है। नस्ल चयन कार्यक्रम के अंतर्गत गोपशु की राठी, थारपारकर, हरियाणा, कांकरेज नस्लों और भैंस की जाफराबादी, नीली रावी, पंदरपुरी और बन्नी नस्ल को शामिल किया गया है। कार्यक्रम के अंतर्गत उत्पादित देशी नस्लों के रोग मुक्त उच्च आनुवंशिक गुणता वाले सांडों को देशभर के सीमन केन्द्रों पर उपलब्ध कराया जाता है।

(iv) **देशी रूप से विकसित जीनोमिक चिप की शुरुआत:** राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत पहली बार हमारी देशी नस्लों के लिए जीनोमिक चिप तैयार और प्रारंभ की गई है। देश में देशी बोवाइन नस्लों के विकास और संरक्षण में कॉमन जीनोमिक चिप महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

(v) **कृत्रिम गर्भाधान, आईवीएफ तकनीक, सैक्स-सॉर्टिंग सीमन, जीनोमिक चयन आदि सहित पारंपरिक और उन्नत प्रजनन तकनीकों का उपयोग ब्राजील में गिर नस्ल के गोपशुओं सहित भारतीय मूल की नस्लों के दूध उत्पादन को बढ़ाने के लिए किया जाता है।**

\*\*\*\*\*